



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 16, 1991 (माघ 27, 1912)

No. 7]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1991 (MAGHA 27, 1912)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ		पृष्ठ	
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	139	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	159	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	*	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	135
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	195	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	199
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम अध्यादेश, और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	317
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	19
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला अनुपूरक	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolution issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	139	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii) Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including By-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	159	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	135
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	195	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	199
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	1
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	317
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	19
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i) General Statutory Rules (including Orders, By-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

लोक सभा सचिवालय

(पी० ए० सी० ब्लाक)

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1991

सं० 4/1/90 पी० ए० सी०—श्री ए० एन० सिंह देव, संसद सदस्य और एम० एस० गुधपदस्वामी संसद सदस्य को लोक लेखा समिति की 30 अप्रैल, 1991 को समाप्त होने वाली कार्यवाही के लिए प्रस्ताव: श्री शान्ति लाल पुग्गोतम बास पटेल और श्री कमल मोरारका के मंत्री नियुक्त होने पर समिति का सदस्य न रहने के कारण उनके स्थान पर समिति का सदस्य चुना गया है।

श्री० एस० जोहर,
अवर सचिव

(पी० यू० ब्लाक)

नई दिल्ली—110001, दिनांक 11 जनवरी 1991

सं० 4/1-पी० यू० 90—प्रो० (डा०) एस० पी० यादव और श्री युष्मराज, सदस्य लोक सभा को 10 जनवरी, 1991 से सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति की शेष अवधि के लिए, सर्वेक्षी दोस्त राम सारण और हुकमदेव नारायण यादव के मंत्री नियुक्त किये जाने पर समिति का सदस्य न रहने से उसके स्थान पर समिति का सदस्य चुना गया है।

के० के० शर्मा,
निदेशक

योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1991

आयोग के दिनांक 22 मार्च, 1990 के संकल्प सं० VIII-2/90—आई० जे० एस० सी० में आंशिक आलोचन में "भारत जापान अध्ययन समिति" के अध्यक्ष का नाम डा० ए० के० घोष के स्थान पर डा० मनमोहन सिंह पड़ा जाये। समिति के अन्य सदस्य पूर्ववत् रहेंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के मंत्रालयों, प्रधानमंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति के सैन्य सचिव तथा जापान में भारतीय राजदूत को भी संकल्प की एक-एक प्रति परिचालित की जाय।

यह भी आदेश दिया जाता है कि एक प्रति भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित की जाय।

इकबाल सिंह,
निदेशक (प्रशासन)

कल्याण मंत्रालय

(कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1991

संकल्प

सं० ई० 11015/1/90—हिन्दी—कल्याण विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन से संबंधित इस मंत्रालय के संकल्प संख्या ई० 11015/4/89—हिन्दी दिनांक 10-7-90 में आंशिक संशोधन करते हुए "गठन" उप शीर्ष के अन्तर्गत विद्यमान नामों के स्थान पर निम्नलिखित नाम प्रतिस्थापित किए जाते हैं:—
गठन

1. श्री रामजी लाल सुमन
श्रम एवं कल्याण राज्य मंत्री
2. श्रीमती कैलाशपति,
संसद सदस्य, (राज्य सभा)

राजेश शरण पाण्डेय,
संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1991

नियमावली

सं० 90/ई०जी० (आर)1/18/1—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रेलवे में करने के लिए 1991 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता इंडीनिरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति बबसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

बर्ग 1—सिविल इंजीनियर

ग्रुप 'क' सेवाएँ/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय रेल मंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (4) सैनिक इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)

- (5) सैन्य इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग)
- (6) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' (सिविल इंजीनियरी पद)
- (7) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (8) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल), डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध
- (10) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) सिविल इंजीनियरी पद
- (11) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क"

ग्रुप 'ख' सेवाएँ/पद

- (12) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी ।

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

ग्रुप 'क' सेवाएँ/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल मंडार सेवा यांत्रिक (इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (6) भारतीय नौ सेना, आयुध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (7) सैन्य इंजीनियरी सेवा (वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (8) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (9) महावक विकास अधिकारी (इंजीनियर का पद) तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक) यांत्रिक इंजीनियरी पद, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ।

- (11) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' ।
- (12) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' ।
- (13) सहायक प्रबन्धक (कारखाना), दूर संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।
- (14) कारखाना अधिकारी ग्रुप 'क' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ई-एम-ई कोर, रक्षा मंत्रालय ।

ग्रुप 'ख' सेवाएँ/पद

- (15) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ई०एम०ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

ग्रुप 'क' सेवाएँ/पद

- (1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल मंडार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (5) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (6) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (7) सहायक कार्यकारी इंजीनियरी (वैद्युत) (डाकतार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) ।
- (8) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत और यांत्रिक) वैद्युत इंजीनियरी पद, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ।
- (10) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप "क" (वैद्युत इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

ग्रुप 'ख' सेवाएँ/पद

- (11) सहायक इंजीनियरी (वैद्युत), सिविल निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी ।
- (12) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'ख' (वैद्युत इंजीनियरी पद), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

बर्ग 4—इलेक्ट्रानिकी और दूर-संचार

इंजीनियरी

ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) सिगनल इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (दूर-संचार) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (3) भारतीय दूर-संचार सेवा ।
- (4) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कूथ/अनुश्रवण संगठन ।
- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।
- (6) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (7) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (8) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (10) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ई०एम०ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।
- (11) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रानिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।

ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद

- (12) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'ख' (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ई०एम०ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के रजिस्ट्रार 1 में निर्धारित रीति में ली जाएगी ।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा ।

2. उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्ग में से किसी या अधिक के लिए प्रतिযোগी हो सकता है । उसे अपने वेदन-पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिसके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का पक्ष हो ।

विशेष ध्यान 1 :—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह वेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम में

उल्लेख करें जिन सेवाओं/पदों के लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हैं । यदि वह किसी सेवा/पद का वरीयता क्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-पत्र में किसी सेवाओं/पदों को सम्मिलित नहीं करता है तो यह मान लिया जाएगा कि इन सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई विशिष्ट वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों के वरीयताओं के अनुसार आवंटन करने के पश्चात् जिनमें रिक्तियां होंगी उसका किसी भी शेष सेवाओं/पदों पर आवंटन कर दिया जाएगा । इस प्रकार का आवंटन करते समय उन उम्मीदवारों को पहले ग्रुप 'क' सेवाओं/पदों और बाद में ग्रुप 'ख' सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 2 :—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से संबद्ध वर्ग/वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निविष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तक नहीं दिया जायेगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है । आयोग या रेल मंत्रालय (रनव बोर्ड) उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निविष्ट करने को कहा जाए ।

विशेष ध्यान 3 :—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों । जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन-सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ।

विशेष ध्यान 4 :—वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन [देखिए नियम 5 (ख)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गयी है, अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकते हैं । तथापि पहले उन्हें उनके योग्यताक्रम के अनुसार उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गयी वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 5:—नियम 6 के उपबन्ध में अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं बरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबन्ध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी बरीयताओं यदि कोई हो, पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के हरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के हरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजोबार, के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम) से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्तें यह हैं कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार में पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार 4. मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1991 को 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1963 से पहले और 1 अगस्त, 1971 के बाद न हुआ हो।

(ख) नियम—2 के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम-1 में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा(सेवाओं)/

पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु जिसके लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवेदन करते हैं—ऊपरी आयु-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी।

(1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थायी पद पर है। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्ति परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1991 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम 1	कालम 2
रेल विभाग	आई०आर०एम० ई०, आई० आर०एस०ई०ई०, आई० आर०एस० एस० ई०, आई० आर०एस० एम० ई०, आई० आर०एस० एम०।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप क, सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप क।
मुख्य अभियंता, सेना मुख्यालय	सैनिक इंजीनियरी सेवा, ग्रुप (क) (बी० एवं आर० संवर्ग तथा निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग) सैनिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" (ई० एवं एम० संवर्ग)
आयुध कारखाना महा-निदेशालय	आई०ओ०एफ०एस० ग्रुप क
केन्द्रीय जल आयोग	सी० डब्ल्यू०ई० (ग्रुप क) सेवा।
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण	सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा।
बेतार आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध अनश्रवण संगठन	इंजीनियर (ग्रुप क)।
सड़क सीमा संगठन आकाशवाणी दूरदर्शन	सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा। भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान, सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल इलैक्ट्रिकल), सिविल कन्स्ट्रक्शन बिग, आकाशवाणी।

कालम 1	कालम 2
भारतीय नौ सेना डाक-तार विभाग	भारतीय नौ सेना आयुध सेवा। भारतीय दूर-संचार सेवा, ग्रुप 'क' सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल वैद्युत) ग्रुप 'क' डाक तार सिविल स्कन्ध सहायक प्रबंधक (कारखाना) ग्रुप 'क' डाक-तार दूर-संचार कार- खाना संगठन।
विज्ञान तथा तकनीकी विभाग तकनीकी विकास महा- निदेशालय भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	भारतीय सर्वेक्षण सेवा, ग्रुप 'क'। सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) ग्रुप "क"। यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'/ बर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'।

टिप्पणी :—प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जायेगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जायेगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 से भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (4) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में 'फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कर्मियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (5) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में 'फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कर्मियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों, कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित ने 1 अगस्त, 1991 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1991 में एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(7) भूतपूर्व सैनिक (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) जो अ० जा० या अ०ज०जा० के हैं, तथा जिन्होंने 1 अगस्त, 1991 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1991 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है), (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक;

(8) आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1991 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और न्यून होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष;

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त 1991 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और न्यून होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त

करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

टिप्पणी I :—'भूतपूर्व सैनिक' शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित 'भूतपूर्व सैनिक' सिविल सेवा तथा पदों में पुनरोजगार निबन्ध, 1979, में परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी II—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(ग) (6) और 5(ग) (7) के अधीन आयु-सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

विशेष ध्यान—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त निबन्ध 5(ख) या (ग) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग-पत्र दे देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हो जाती है जो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अप्रेषित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार—

(क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए; अथवा

(ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा

(ग) के पास किसी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा

(घ) इलेक्ट्रॉनिकी और दूर-संचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

(ङ) भारतीय वैमानिकी सोसायटी की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग II और III खण्ड क और ख उत्तीर्ण हो; या

(च) यांत्रिक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो; या

(छ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलेक्ट्रॉनिकी और रेडियो संचार इंजीनियरों की संस्था (लंदन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर, 1959 में पहले इलेक्ट्रॉनिकी और रेडियो इंजीनियरों की संस्था (लंदन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी :—

(1) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 में पहले ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठें हों और उनमें उत्तीर्ण हों :—

(1) रेडियो और इलेक्ट्रॉनिकी 1 के सिद्धांत (सैक्शन "ए")

(2) गणित II (सैक्शन "बी")।

(2) कि सम्बद्ध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) पर निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकों और रेडियो इंजीनियरों की संस्था (लंदन) से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

किन्तु वायरलेस आयोजन तथा सहायक स्कन्ध/अनुप्रयोग संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी ग्रुप क, भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय नौसेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

वायरलेस संचार इलेक्ट्रॉनिकी रेडियो भौतिक या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम० एस०-सी० डिग्री या समकक्ष।

टिप्पणी 1 :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की जर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्धता पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु

परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तितम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 16 दिसम्बर, 1991 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2:—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3:—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उससे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 8 में निर्धारित श्रुतक का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या दैनिक ढर पर नियुक्त न हुए हों अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों, उन सबको इस आशय का परिबन्धन (अण्डरटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/इनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अथवा घोषित किया हुआ हो:—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्यसाधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा

- (5) बलत या झूठे दस्तावेज दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या भ्रमत्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यग्रित करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, तथा/अथवा
- (ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए:—

- (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक:—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवक्षा पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु बुलाए न जा सकते हों तो आयोग उनकी स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (i) साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से लिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार नामों की सूची बताएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों का योग्यताक्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुसंधान की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

(ii) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकेगी किन्तु शर्त यह है कि वे उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के जो उम्मीदवार अन्य समुदायों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उप-विषय में वर्णित किसी छूट का लाभ उठाए बिना चले जाते हैं उनका समायोजन अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किन प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग रखेगा और आयोग उनसे मत फल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयताक्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार पहले उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने पर या ऐसे उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही, उन्हें उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववर्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार में उपयुक्त है।

17. उम्मीदवारों को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों की परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टरों जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को जाएगी (शनिवार और रविवार तथा छुट्टियों वाले दिन डाक्टरों जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बंगलौर, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार अपना लगाते हों तो उन्हें हाल ही के वर्ष के नम्बर के मास मेडिकल बोर्ड के मामले उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरों जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरों जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा के संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड प्रनद-प्रनद हैं। आ: उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिन सेवाओं/पदों के लिए सं० ७० से० ७० आ० को वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष वर्ग में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि:—

- (1) उनकी (मोटर वाहन) ६० 18/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को मुग्तान करनी होगी;
- (2) डाक्टरों जांच के सम्बन्ध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार को डाक्टरों जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उनके मामले पर विचार किया हो जायेगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा डाक्टरों जांच से सम्बन्धित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टर की परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टर की परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और सामक परिशिष्ट-II में दिए गए हैं। संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में से छूट दी जा सकती है।

18. जिस व्यक्ति ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-III में दिया गया है।

मसीहजमान, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग-1—लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्नपत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यपथ्य होगी। इन प्रश्नपत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यपथ्य परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अहंताप्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

श्रेणी-I—सिविल इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	12	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	13	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	14	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी II—यांत्रिक इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	22	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	24	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी III—वैद्युत इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	41	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	42	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र-I	43	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न पत्र-II	44	3 घंटे	200
योग			1000

धारा 14—इलेक्ट्रानिकी और दूर-संचार इंजीनियरी
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विवरण	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
साधारण योग्यता-परीक्षण (भाषा B : सामान्य अंग्रेजी) (भाषा C : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	01	2 घंटे	200
इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	02	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	03	3 घंटे	200
इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	04	3 घंटे	200
योग			1000

3. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहले तथा मेषा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य साधारण गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जस्वित्ता प्रायोगिक व्यवहारों की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएँ। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएँगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जाएगा कि अभ्यर्थी कम शब्दों में समग्र प्रभावपूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तोल और माप की मीटरी इकाई से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट :—उम्मीदवारों को जब भी जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में सन्दर्भ हेतु भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबंध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैठती से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1,2,3,4,5,6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

परिशिष्ट 1 की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि एक इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षण (कोड संख्या 01)

भाष (क) सामान्य अंग्रेजी:—अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाष (ख) सामान्य अध्ययन:—सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामायिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र-I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र के लिए कोड सं० 11 और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड सं० 13

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, हमारती लकड़ी, ईंट, सीमेंट, लेप, कंक्रीट रचित, इत्यादि।

2. जल यांत्रिकी

प्रतिफल, विकृति, जन द्रव्य का विकलन सिद्धांत, साधारण बंकन और विमोटन के सिद्धान्त, अपकण्व केन्द्र।

3. आलेखी स्थैतिकी

बल बहुभुज प्रतिबल आरेख।

4. संरचनात्मक विश्लेषण

ट्रसेज और फ्रेम का विश्लेषण प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय।

5. धातु संरचना का अभिकल्पन

कार्यकारी प्रतिफल और साधारण रचना के चरम साधार्थ्य अभिकल्पना

कंक्रिट और चिनाई रचना के अभिकल्पन

चिनाई बीवार का अभिकल्पन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रिट प्रबलित और प्रतिकूलित कंक्रिट का चरम सामर्थ्य अभिकल्पन।

प्रश्न-पत्र—II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं० 12 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 14

1. तरल यांत्रिकी जल स्रोत : इंजीनियरी

विद्युत चैनल और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, गहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना।

2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धांत, प्रबलता प्राचल भूमि दाब के सिद्धांत उथले और गहरे आधारों के अभिकल्पन।**3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सड़क अतिउन्नयन नियमन प्रवणता, कुटिटस, यातायात नियन्त्रण, अभिकल्पन विचारण।****4. पर्यावरण इंजीनियरी**

जल स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान।

6. निर्माण, नियोजन और प्रबंध

निर्माण पद्धति के तत्व, बार चाटे, सी० पी० एम०, पी० ई० आर० टी०।

यांत्रिकी इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्नपत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र—I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए कोड सं० 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 23

1. उष्मागतिकी

नियम, आवश्यक गैसों और वाष्प के गुण धर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाईन चक्र, ईंधन और दहन।

2. आई० सी० इंजन

सी० आई० और एस० आई० इंजन, अधिस्फोटन ईंधन अतःश्लेषण और कार्बुरेशन निष्पादन और परीक्षण टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन, नाभिकीय शक्ति सयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. वाष्प बायलर, ईंधन वाष्प टरबाइन, प्रारूप, नोजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के वेग आरेख दक्षता और नियंत्रण।**4. संपीड़ित गैस गतिकी और गैस टरबाइन, प्रत्यागामी केम्ब्रिजमुख और पक्षीय प्रवाह के संपीड़ित वेग**

आरेख, दक्षता और निष्पादन। प्रवाह पर यांत्रिक बलों का प्रभाव, आइसेन ट्रापिक प्रवाह, नोजल से सामान्य प्रवाह और प्रवाह बहुचरणीय संपीड़न मशीन टरबाईन चक्र, पुरस्सापन, पुनरुत्पादन।

5. उष्मा अन्तरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, संवहन और विकरण उष्मा विनिमयक प्रारूप। सम्मिलित ऊष्मा अन्तरण। सम्पूर्ण उष्मा अन्तरण गुणांक प्रशीतन और ऊष्मा पम्प चक्र प्रशीतन प्रणाली। निष्पादन के गुणांक—साइक्रोमीट्रिक और साइक्रोमिट्रिक चाटे कम्पट सूचक, प्रशीतन और निराप्रीकरण विधि। औद्योगिक वातानुकूलन प्रक्रिया। शीतलन और तापन भार गणना।**6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल स्थैतिकी शून्य गतिकीय और गतिकी; सिद्धान्त और प्रयोग; दावांतरमापीय और उत्प्लावन। आवर्ण तरलों का प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। परिसीमा स्तर सिद्धान्त/निभजित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और खुली नालियों में प्रवाह, विमीय विश्लेषण तथा सादृश्य तकनीक।**

अविमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण; ऊर्जा हस्तांतरण संबंध। पम्पों और आवेशों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन। दबंगति विद्युत संचारण।

प्रश्न-पत्र—II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए कोड सं० 22 और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड सं० 24

7. मशीनों का सिद्धांत (1) गतिमान पिंड (2) मशीनों के वेग और त्वरण क्लान्न निर्माण, मशीनों में जड़त्व बल, कैम्स, गियर और गियरन गतिपालक चक्र और नियामक, पिंडों का पूर्ण एवं प्रत्यागामी-संतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शीपट की क्रांतिक गति और छमरी।**8. मशीन अभिकल्पन**

वेंच बन्धन और पावर स्क्रू का जोड़—कंडिया कोटरास, युग्मन—वेल्ड संघि पारगमन पद्धति—पट्टा और चैन चालित—तार रज्जू—शीपट का अभिकल्पन।

गियर—सर्पी और रोलिंग वेयरिंग।

9. पदार्थों की सबलता

द्विविभागीय प्रतिबल और विकृति मोहर चक्र प्रत्यास्थरांकों के बीच सम्बन्ध।

किरणपुंज—बंकन आवर्ण अपरूपक बल और विक्षेप शीपट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मोरोड़ी प्रतिबल स्थूल—वाल्व सिलिण्डर और नाब के अंतर्गत गोलक स्प्रिंग, आलम्बन स्तम्भ और कालम विकसन का सिद्धांत।

10. इंजीनियरी पदार्थ

मिश्र धातु और धातु मिश्रण तत्व ताप अभिक्रिया; संयोजन, गुणधर्म और प्रयोग, प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ ।

11. उत्पादन इंजीनियरी

धातु मशीनीकरण—कतन औजार, औजार धातु, घिसाई और यांत्रिकीकरणीयता कतन शक्ति का माप प्रक्रियाएं—मशीनीकरण—प्रेषण, बेधन, गीअर निर्माण धातु रूपांकन, धातु संचकन और सम्मिलन बेसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और अनुलगनी (तन्त्रों का अवस्थापन) ।

12. औद्योगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन संयंत्र विन्यास के सिद्धान्त—उत्पादन नियोजन एवं नियन्त्रण, पदार्थ व्यवस्था सक्रिय विज्ञान । रेखिक प्रोग्रामन पंक्ति सिद्धान्त, इंजीनियरी जाल विश्लेषण । सी० पी० एम० एवं पी० ई० आर० टी० संगुणकों का उपयोग ।

वैद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र—I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 43

1. वैद्युत परिपथ

जाल प्रमेय, ज्यावकीय जाल के सोपान, रैम्प, आवेग और ज्यावकीय निवेश की अनुक्रिया, आवृत्ति क्षेत्र का विश्लेषण, द्विपक्षर, जाल संश्लेषण का तात्पर्य प्रवाह ग्राफ ।

2. ई. एम. सिद्धांत

वैद्युत स्थैतिक, सदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक चुम्बकीय पदार्थों और चालक के अन्तर्गत परावैद्युत के क्षेत्र । समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सवेल का समीकरण, चालन परावैद्युत मिडिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म ।

3. पदार्थ विज्ञान । (वैद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धांत स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, दाब विद्युत । धातु की चालकता, अति चालकता पदार्थों का चुम्बकीय गुणधर्म । फेरी और फेरी—चुम्बकत्व अर्धचालकों में चालकता ह्रास प्रभाव ।

4. वैद्युत मापन

मापन के सिद्धांत, परिपथ गैरामीटर का सेतु, मापन, माप यंत्र । बी. टी. बी. एम. तथा सी. आर. बी. क्यू.—मीटर, स्पेक्ट्रम विश्लेषक । ट्रांस-

ड्यूसर्स तथा गैर-विद्युत मात्राओं का मापन, अंकीय मापन दूरमापन तथ्य अभिलेखन तथा प्रदर्शन ।

प्रश्न-पत्र-II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 44

5. अभिकल्पन के तत्व

अंकीय प्रणाली, एल्गोरिथम विधियाँ, प्रवाह—संचलन मंडारण, प्रस्प विवरण, सरणी मंडारण अंक गणित निष्पीड़न, तार्किक निष्पीड़न निविष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनुप्रयोग ।

6. वैद्युत उपकरण तथा प्रणालियाँ

वैद्युत यांत्रिकी : वैद्युत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपान्तरण के सिद्धांत । डी. सी. तुल्यकालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण । भिन्नात्मक अवशक्ति मोटर : नियन्त्रण प्रणालियों में मशीनें ट्रांसफार्मर्स । चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालकों के लिए मोटरों का चयन । विद्युत प्रणाली—विद्युत उत्पादन : तापीय, जलीय तथा नाभिकीय, विद्युत संचरण, कोरोना, पुल चालक, विद्युत प्रणाली रक्षण । आर्थिक परिचालन, लोड आवृत्ति—नियन्त्रण, स्थायित्व विश्लेषण ।

7. नियन्त्रण प्रणालियाँ

वैद्युत—पाश तथा संवृत पाश प्रणालियाँ, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियाँ । स्थिति-परिवर्ती उपगमन ।

8. इलेक्ट्रानिक तथा संचार

इलेक्ट्रानिकी—घनावस्था युक्तियों तथा परिपथ । लघु सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्भरण प्रवर्धक बोलीम तथा संक्रियात्मक प्रवर्धक एफ० ई० टी० परिपथ तथा रेखिक आई० सी० । स्विचन परिपथ मूल्य बीजगणित, तर्क परिपथ, सांयोजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ ।

संचार—सिगनल विश्लेषण सिगनलों का प्रदण । माड्यूलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का संयोजन । संचार प्रणालियों का निष्पादन ।

इलेक्ट्रानिकी तथा दूरसंचार इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र-I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 61 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 63

पदार्थ :

1. सामग्री, घटक तथा युक्तियाँ :

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुणधर्म निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म । सक्रिय घटक—प्रकार का गुणधर्म—घनावस्था युक्तियों—भौतिक लक्षण तथा नमूने ।

2 जाल सिद्धान्त

जाल प्रमेय : विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया। परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण।

3 विद्युत चुम्बकीय सिद्धान्त

क्षेत्रगत सिद्धान्त। संचरण लाइन सिद्धान्त। एंटीना सिद्धान्त परिचय तथा अपरिवर्तनीय मीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन।

4 मापन तथा यंत्रीकरण

विद्युत मात्राओं का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धान्त। दृष्टिकोण विद्युत मात्राओं का माप

प्रश्न-पत्र—2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 82

और परस्परगत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 84

1 रेखिक तथा अरेखिक अनुरूप परिपथ

सूक्ष्म रेखिक इलेक्ट्रॉनिक परिपथ। स्पंद-रूपण परिपथ। तरंग आकार जनित्र। स्थायीकारीक।

2 श्रृंखलीय परिपथ

तर्कपरिपथ तथा गेट। संगणन परिपथ। ग्रांथीय तथा अनुक्रमिक परिपथ।

3 नियन्त्रण प्रणालियाँ

पुनर्चरण सिद्धान्त। नियन्त्रण प्रणाली घटक। नियन्त्रण प्रणालियों की अनुक्रिया। व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

4 संचार प्रणालियाँ

मूल सूचना सिद्धान्त। माड्यूलन तथा संसूचन प्रक्रियाएँ। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियाँ। रेडियो तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रेडार संचार सहाय, अनगामी संचार सिद्धान्त।

5 सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी

सूक्ष्म-तरंग स्त्रोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृत्तियाँ। सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियाँ।

परिशिष्ट—2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों की मुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग-निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है। तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु

किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानने हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुमति कर सकें कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी मानी प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों के परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझें व्यवहार में लाएँ। यदि वजन, कद और छाती के घेरों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरों के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूर्ण न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा	कैलाश
		(पूरा फुलाकर)	
रेल इंजीनियरी सेवा (मिलिटरी विद्युत यांत्रिक और मिनरल) घोर के ० लो ० नि ० बि ० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रिय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' (क) पुष्प उम्मीदवार के लिए	152 सें.मी०	84 सें.मी०	5 सें.मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150 सें.मी०	79 सें.मी०	5 सें.मी०

अनुसूचित जनजातियों तथा उन जातियों जैसे गोंड, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जिन्हें अधिकतम कद स्पष्टतः ही कम होता है; के मामले में ये निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ब) सेना इंजीनियरी सेवाओं ग्रुप 'क', भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क', कर्मशाला अधिकारी (ग्रुप क और ग्रुप ब) के लिए छाती की माप में कम से कम 5 सें० मी० के फलाव की सुबाइज रखनी होगी।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और माप दंड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार मटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एडियों के पांवों के कपड़ों वा किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें बिना खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिडलियां, नितरब और कंधे मापदंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे तक जाएगी ताकि सिर का स्तर (घर्टेक्स आफ दी हैड रेबल) हारिजेन्टल बार (आई छड़) के नीचे आए। कंधे सेटीमीटरों और आंखें सेटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

जैसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी बिचारा असफलक (शेल्ड ब्लैण्ड) के निम्न कोणों (इम्फी-विडर एयिल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द के जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेन्टल प्लेन) से रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि जीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार सहुरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जायेगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप की रिकार्ड करते समय आंखें सेटीमीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कंधा और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (काण्टि-बुक्स स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी अन्ध सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि-तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी)—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवाएं	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख (टीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (टीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
	2	3	4	5
क. तकनीकी				
1. रेल इंजीनियरी सेवाएं (सिविल, वैद्युत, यांत्रिकी और सिग्नल)				
2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप के केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'				
केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) ग्रुप क (भारतीय दूर संचार इंजीनियरी स्कंध)	6/6 अथवा 6/12	जे I	जे I	जे II
आई० डब्ल्यू० पी० एण्ड सी० स्कंध अनुभवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर का पद भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा, भारतीय नौसेना आयुध सेवा में भारतीय आयुधशाला सेवा ग्रुप क, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ब' आकाशवाणी का सिविल निर्माण स्कंध। सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय।	6/9	6/9		
3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप क सहायक प्रबंधक (कारखाना) ग्रुप 'क' शकतार दूरसंचार कार-गैटन तथा कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'ब'	6/6	6/18	जे I	जे II
	6/9	6/9		

1	2	3	4	5
ख रेल तकनीकी				
4 भारतीय रेल संचार सेवा तथा भारतीय प्र-विज्ञान सर्वेक्षण में तकनीकी इंजीनियरी (कनिष्ठ) ग्रुप का वर्ग इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप का	6/8	6/12	जे 1	जे 11

टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में बायोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम -4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। हाइपरसेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम +4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। किन्तु शर्त यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अन्तर्गत) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई बायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नैसर्गिक विशेषताओं के विवेक बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेगा कि वह बायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधित अपेक्षाएँ पूरी कर दें।

(ख) बायोपिया परीक्षण के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिए और उसके तुरंत ही रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को कोई रोगात्मक अवस्था हो जिसके बहने और उससे उम्मीदवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

टिप्पणी (2)

तकनीकी विकास मन्त्रालय में भारतीय दूर संचार सेवा के और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्ण-रक्षण का जांच अनिवार्य होगी।

ऐसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैन्टर्न में दूरक (इयर्थर) के आकार पर निर्भर है :—

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. सैन्य और उम्मीदवार के बीच जो दूरी	16'	16'
2. डाक (एयर) का आकार	1.3 मि.मीटर	13 मि.मीटर
3. विज्ञान का समय	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल, वैद्युत, सिग्नल और यांत्रिक) और जन सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के लिए ऊंचे ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए :—

सेवाओं/वर्गों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा
- (2) सैन्य इंजीनियरी सेवा
- (3) सड़क केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
- (5) सहायक कारखाना प्रबंधक (कारखाना) (डाक तार) दूर संचार कारखाना संगठन
- (6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'
- (7) कर्मशाला अधिकारीय ग्रुप 'क' तथा ग्रुप 'ख'

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा का ग्रेड
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) ग्रुप 'क' (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध) क्लास 1 डाक-तार
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान
- (8) इंजीनियर ग्रुप 'क' बेतार आयोजन और समन्वय स्कंध अनुश्रवण संगठन
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल वैद्युत) ग्रुप 'ख' आकाशवाणी का सिविल निर्माण स्कंध।

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इशियारा की प्लेटों तथा एड्रिज की लैटर्न—दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—मध्यम वर्गों के लिए सम्मुखन विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच क जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या सदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पेरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमा रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मंडिकल बोर्ड का हा। ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर हा। श्रुति विश्वास नहीं करना चाहिए, किन्तु उन पर उचित विश्वास किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—कैन्दाय इजोनियरा सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतींधी संबंधी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवार को 'त्रिविम संगलन' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता में भिन्न आंख को दर्शाए (आवयलर कण्डीशन)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन दृष्टि (रिफ्रैक्टिव एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भँगापन—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भँगापन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भँगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उपसामान्य है तो इसका सहज प्रभाव यह होता है कि गहनता अवगम के लिए उसे पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कई सिविल पदों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने का अनुरोध कर सकता है। बशर्ते कि उसी सामान्य आंख :—

(1) को न्यूनतम लगभग या कम से कम बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि 4.5 दर्शाए कि किसी मेरोडियम में दूर दृष्टि सम्बन्धी दोष 4 डायोप्टेर से अधिक न हो।

(2) का दृष्टि-क्षेत्र पूर्ण हो।

(3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड मनुष्य हो कि उम्मीदवार सदसंगत कार्य विशेष सम्बन्धित सभी कार्यवाही कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टैक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कैण्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारणवश किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

7 रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपनी विवक्षा से काम लेगा। नार्मल मेक्जीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(2) 25 वर्ष की ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 + आधी आयु का सामान्य विनियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान : सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्स-रे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दाबमापी (मरकरी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या घबराहट के बाद पन्ध्र मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बंठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी-बहुत हारिजेन्टल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कंधे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ की भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इससे बांह का जो जोड़ जो फीलाकर समान रूप से सपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर की न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बांह घमनी (ब्रेकिंगल आर्टरी) को दबा-दबा कर हंडा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथेस्कोप की हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है। और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह मिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की धर्ती हुई ही सुनने में आने लगेगी तो

यह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ा अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गैप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के चोटक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मधुमेही (नान-डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा। जिस पर मेडिकल बोर्ड की 'फिट अनफिट' की अन्तिम राय आधारित होगी दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा, औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गभवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद अयोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हिर्यरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो यह उपबन्ध भारतीय रेल मंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप 'क' केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा

ग्रुप 'क' और केंद्राय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और सीमा सड़क इंजीनियरी की सेवा ग्रुप 'क' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग-दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है:—

- | 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| (1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा। | यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य। | |
| (2) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण यंत्र हिर्यरिंग (एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। | यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य। | |
| (3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मेम्बरेन का छिद्र। | (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पेनिक मेम्बरेन का छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा से स्थिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर के उस पर बीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है। | |
| | (2) दोनों कानों से मार्जिनल या एंटिक बेधन होने पर अयोग्य। | |
| | (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य। | |
| (4) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केविटी से सब नार्मल श्रवण। | (1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी में सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य। | |

1	2	3	
			(ख) वह बिना हकलाहट बोल जाता/जता है ।
		(2) दोनों ओर से मस्टायड केनिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य । किसी भी काम की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य ।	(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह खाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगें हैं या नहीं । (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।
(5) बहने रहने वाला काम आपरेशन किया गया/ बिना आपरेशन वाला ।			(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती का फैलाव पर्याप्त है, तथा उसका दिल व फेफड़े ठीक हैं ।
(6) नासपट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बोमी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/एलजिक वशा ।		(1) प्रत्येक मामले के परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा ।	(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।
		(2) लक्षणों सहित नासा-पट्ट बिचल विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य ।	(च) उसे स्पचर नहीं है ।
(7) टोंसिल और था कांथ की जीर्ण प्रवाहक वशाएं ।		(1) टोंसिल और या कण्ठ की जीर्ण प्रवाहक वशा योग्य ।	(छ) उसे हार्डिड्रोसिल, स्फीट थिरा या बवासीर तो नहीं है ।
		(2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य ।	(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी ग्रथियां भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं ।
(8) काम, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर मेलिंगनेट ट्यूबर		(1) हल्का ट्यूबर—अस्थायी रूप से अयोग्य ।	(झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है ।
		मेलिंगनेट ट्यूबर अयोग्य ।	(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है ।
(9) आटोस किले रोसिस		(2) आटोस किकरीसिस आपरेशन के बाद या श्रवण यंत्र की सहायता से श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य ।	(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लग ।
			(ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं ।
(10) काम, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष ।		(1) यदि काम-काज में बाधक नहीं—योग्य ।	(ण) कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग नहीं है ।
		(2) यदि भारी मात्र में हकलाहट हो—अयोग्य ।	
(11) नेजसपीची		अस्थायी रूप से अयोग्य ।	

11. दिल और फेफड़ों की किसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात नहीं सभी मामलों में नेसी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में सदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नोकरी करने के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थ्य या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपर्युक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि यह संदेह हो कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकास से पीड़ित है, तो बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकास विज्ञानी/मनोविज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं ।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा इयटी के अपेक्षित दक्षतापूर्वक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

12. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी नियम के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रीति से 50 रु० का अपील शुल्क जमा करना होगा । यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा । जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जम्मा कर लिया जाएगा । उम्मीदवार को अपनी अपील के साथ किसी रजिस्टर्ड डॉक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करके विशेष तौर पर यह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार को भविष्य बोर्ड द्वारा अयोग्य

आशित किए जान का उस जानकारी है। जब उम्मीदवार स्वयं चिकित्सा बोर्ड के सामने उपस्थित हों तो उनके पास इस प्रमाण-पत्र की प्रति अवश्य होनी चाहिए। उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपनी अपील प्रस्तुत कर देनी चाहिए। अन्यथा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था उम्मीदवार के खर्च पर ही की जाएगी। अपीलीय मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के संबंध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

13. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं होगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें

मेडिकल परीक्षक के माध्यम से दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है।

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाए जाने वाली स्ट्रेण्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाय यदि कोई हो), के लिए उचित सुझाव रखा जाएगा।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथा स्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग ऑथारिटी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी रचना, संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इन्फर्मिटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकायु मृत्यु होने पर भी समय पूर्व पेंशन या अवकाशों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यह प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक माना गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डॉक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाएगा।

ऐसे मेडिकल में जब कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो होने और पर

उसके अस्वीकार किए जाने का आधार उम्मीदवार को बताया जा सकता है किन्तु मेडिकल बोर्ड में जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्यौता नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि वह खराबी दूर हो जाए तो संबंध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

पुनः चिकित्सा परीक्षा का प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि ऐसा चाहे तो निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और इसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है :—

1. अपना पूरा नाम लिखें

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें।

2.(क) क्या आप ऐसी जाति से जैसे गोरखा, गढ़वासी, असमी, नामालेण्ड आदिवासी आदि में से किसी से सम्बन्धित हैं जिनका औसत कब स्पष्टतः तुसबों से कम होता है? हां या नहीं में उत्तर बीजिए। उत्तर हां में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

3.(क) क्या आपको कभी चेचक, दक-दक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दोरे रिह्यूमेटिडम, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्बलता जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो?

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किण्व की बाधिरता (नर्वसनेस) हुई?

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

(6) फंडस की जांच

एक्ससस

या० मे०

6. बांतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी असामान्यता का पता चलता है।
यदि हाँ, तो उसका पूरा ब्यौरा दें
8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलेटरी सिस्टम) :
(क) हृदय : कोई आंगिक विकृत (आर्गेनिक लीजन) (वेग) (रेट)
खड़े होने पर
25 बार फुदकने के बाद
फुदकने के 2 मिनट बाद
(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक
डायस्टोलिक
9. उदर (पेट) : घेर स्पर्शसह्यता
(टेण्डरनेस)
हनिया
(क) स्पर्शय यकृत
तिल्ली
ट्यूमर
(ख) रक्तार्श
भगन्दर
10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) : तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत ।
11. चलन तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) : कोई असामान्यता
.....
12. जनन मूल तंत्र (जेनिटो यूरीनरी सिस्टम) : हाइड्रोसेल, वरिकासील आदि का कोई संकेत । मूल विश्लेषण ।
(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?
(ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
(ग) ऐल्ब्यूमेन
(घ) शर्करा
(ङ) कास्ट
(च) कोशिकाएं (सेक्स)
13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है, ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ।
- नोट :—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा ।
15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध ड्यूटी के दक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है ? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए :—

- (1) योग्य (फिट)
(2) } के कारण अयोग्य
(अनफिट)

अध्यक्ष

सदस्य

स्थान

तारीख

परिशिष्ट III

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत, इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा ।

(क) परीक्षा :—इन सेवाओं के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहना होगा । यदि उक्त प्रशिक्षण को संपोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो तदनुसार परीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी । परीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संपोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है ।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा । उन्हें इस अवधि के लिये उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाये :—

(ग) नियुक्ति की समाप्ति

- (1) परीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है । किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खण्ड (2) के उपबन्धों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा-निवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है ।

(2) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या उसके कार्य कुशल बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(घ) स्थायीकरण:—परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा।

(ङ) वेतनमान:—

(1) कनिष्ठ वेतनमान :—रु० 2200-75-2800-द० री०-100-4000

(2) वरिष्ठ वेतनमान:—रु० 3000-100-3500-125-4500

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु० 3700-125-4700-150-5000

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु० 5900-200-6700

इसके अतिरिक्त रु० 5900 तथा 8000 के वेतन के बीच के सुपरग्राइड वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ करेगा तथा उस समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिए परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिन्ने की अनुमति होगी।

महंगाई तथा अन्य भत्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोका या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यय लौटाना :—यदि किसी ऐसे कारणवश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अथवा परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परिवीक्षकों से एक बन्ध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना पड़ेगा।

(छ) छुट्टी:—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन :—उक्त सेवा के लिये भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का वायित्व:—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा सन्तोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने/कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी/नियोजन/बरकरारी के उपयुक्त नहीं है, या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति बरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे यह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले ऊंचे ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति में प्राप्त होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति दर्रे निम्न प्रकार है:—

पद	वेतनमान
(1) कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक कार्यपालक इंजीनियर)	₹ 2200-75-2800-द० रो०-100-4000
(2) वरिष्ठ समय वेतनमान (कार्यपालक इंजीनियर)	₹ 3000-100-3500-125-4500
(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अधीक्षक इंजीनियर)	₹ 3700-125-4700-150-5000
क. सामान्य ग्रेड	
ख. चयन ग्रेड	₹ 4500-150-5700
(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चीफ इंजीनियर)	₹ 5900-200-6700
(5) सुपरटाइम स्केल	
अपर महानिदेशक	₹ 7300-7600
महानिदेशक (इन्चार्ज)	₹ 8000 नियत
(ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल और यांत्रिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिए समान हैं)	

नोट:—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अथवा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन रफ० आर० 22(बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ङ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) और केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवाग्रुप (क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप।

1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए

उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार के) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

2. केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत षटकों के जिसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावर हाउस, वातानुकूलन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं। आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव में कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

3. सेना इंजीनियर सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित विभाग तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ सकती है। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है या ऐसा आभास होता है कि उसको कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवार को दो वर्षों की परीक्षा की अवधि के दौरान एम० ई० एस० प्रोसीजर सुपरिन्टेण्डेंट्स बी० आर० एण्ड ई० एम०/ग्रेड-I, एग्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राज्ञ (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त है। अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को—

- (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (iii) उम्मीदवारों पर एस० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूलस भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

- | | |
|--|---|
| (क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर | $\left. \begin{array}{l} \text{र० 2200-75-2800-} \\ \text{नियर} \\ \text{र० 100-4000} \end{array} \right\}$ |
| सहायक निर्माण सर्वेक्षक | |
| (ख) कार्यकारी इंजीनियर निर्माण सर्वेक्षक | $\left. \begin{array}{l} \text{र० 3000-100-3500-} \\ \text{125-4500} \end{array} \right\}$ |
| (ग) अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) | $\left. \begin{array}{l} \text{र० 3700-125-4700-} \\ \text{150-5000} \end{array} \right\}$ |
| अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड) | |
| (घ) अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) | $\left. \begin{array}{l} \text{र० 4500-150-5700} \end{array} \right\}$ |
| अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (चयन ग्रेड) | |
| (ङ) उप मुख्य इंजीनियर | $\left. \begin{array}{l} \text{र० 3700-125-4700-} \\ \text{150-5000} \end{array} \right\}$ |
| (च) मुख्य इंजीनियर (स्तर-II) | $\left. \begin{array}{l} \text{र० 5100-150-5700} \end{array} \right\}$ |
| मुख्य निर्माण सर्वेक्षक (स्तर-II) | |
| (छ) मुख्य इंजीनियर (स्तर-I) | $\left. \begin{array}{l} \text{र० 5900-200-6700} \end{array} \right\}$ |
| मुख्य निर्माण सर्वेक्षक (स्तर-I) | |

4. भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना अध्यक्ष आयुद्ध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा। किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

- (ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

- (2) उम्मीदवारों पर एस० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूलस भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय हैं :—

- फिक्स्ड समय वेतनमान—र० 2200-75-2800-द० र० 100-4000/-
- वरिष्ठ समय वेतनमान—र० 3000-100-3500-125-4500/-
- फिक्स्ड प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य ग्रेड)—र० 3700-125-4700-150-5000/-
- फिक्स्ड प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड)—र० 4500-150-5700/-
- वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—र० 5900-200-6700/-
- वरिष्ठ जनरल मैनेजर—र० 7300-100-7600/-
- अतिरिक्त महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना/सदस्य, आयुद्ध कारखाना बोर्ड—र० 7300-200-7500-250-8000/-
- महानिदेशक आयुद्ध कारखाना/अध्यक्ष आयुद्ध कारखाना, बोर्ड—र० 8000/-

टिप्पणी :—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्राथमिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का० शा० सं० 15(6)/64/डी० (एपाइन्टमेंट्स)/1051/डी० (सी० 4/1) दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

- (घ) परीक्षाधीन अधिकारियों को मसूरी/नागपुर में फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।
- (ङ) इस प्रकार वर्ती हुए परीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारम्भ करने से पहले एक बन्ध-पत्र भरना होगा।

5. भारतीय दूर संचार (ग्रुप क)

- (क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परीक्षा पर की जायेगी। सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण यदि असन्तोषजनक है या उसे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा अवधि पूरी हो जाने पर सरकार यदि स्थायी रिक्तियाँ उपलब्ध हों, उस वक्त नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असन्तोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या जितनी ठीक समझे उसी अवधि के लिए उसकी परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाए अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होगी। उनको स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

- (ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

- (ग) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर वित्ताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को —

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) निम्नलिखित वेतनमान ग्राह्य हैं :—

- (i) कनिष्ठ समय वेतनमान—2000-75-2800-
४० रो०-100-4000 रु०
- (ii) वरिष्ठ समय वेतनमान—3000-100-3500-
125-4500 रु०
- (iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 3700-125-4700-
150-5000 रु०
- (iv) अग्रत ग्रेड—4500-150-5700 रु०

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—5900-200-6700 रु०

(vi) सी० जी० एम० ग्रेड—7300-100-7600 रु०

(vii) सलाहकार ग्रेड—7300-200-7500-250-
8000 रु०

- (viii) अधिकारीगण दूर संचार आयोग के सदस्यों के पदों के लिए विचार किए जाने के लिए भी पात्र होंगे तथा यह भारत सरकार के सचिव के समक्ष होगा—8000 रु०

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उनका वेतन एफ० आर० 22 बी (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप-क के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु० 2350/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर ले।

(ङ) भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के पदों से सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

सहायक डिबीजनल इंजीनियर

सहायक डिबीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब-डिवीजन, कैरियर, बी० एफ० टी०, कोएक्सियल, माइक्रोवेव, लॉग डिस्टेंस, इलैक्ट्रिक तथा वायरलेस के इन्चार्ज होंगे और सामान्यतः डिबीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निर्माण के संस्थापन संरचना करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

डिबीजनल इंजीनियर

डिबीजनल इंजीनियर का टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिबीजनों जिसमें लॉग डिस्टेंस, कोएक्सियल, माइक्रोवेव मेन्टिनेन्स डिबीजनल तथा वायरलेस डिबीजनल शामिल है, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपस्करों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिबीजनल में रह करके कार्य करेंगे। जब डिबीजनल अधिकारी इंजीनियरी/परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यूनिट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सफ़िल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजन के लिए, दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसन्धान और विकास के लिए जिम्मेदार हैं। वे माइक्रो टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, दूर संचार सफ़िल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार संचाल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट संचाल दूर संचार अनुरक्षण क्षेत्र का प्रधान, जो कार्यभार में उसका पूरी तरह से प्रबन्ध व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार होगा महाप्रबन्धक, दूर संचार आयोग, दूर संचार आयोग की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता है। मुख्य महाप्रबन्धक दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र तथा महाप्रबन्धक, दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र के अनुसंधान सम्बन्धी समग्र कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार है।

6. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा की उपर्युक्त या बड़ी हुई अवधि जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के दौरान सरकार सन्तुष्ट हो जाए कि वह स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण का ऐसा कोई कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई दिखाई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत का रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा; किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (3) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति अधिकारी निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद उप निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)/मुख्य इंजीनियर (स्तर-II)/मु० ई० (स्तर-I)

में सदस्य/अध्यक्ष, सी० डब्ल्यू० सी० के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

- (4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिए वेतनमान निम्न प्रकार है:—

केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर—
र० 2200-75-2800-र० रो०-100-4000।
2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर—र० 3000-100-3500-125-4500।
3. अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)—र० 3700-125-4700-150-5000।
4. निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)—र० 4500-150-5700।
5. मुख्य इंजीनियर—र० 5900-200-6700।
6. सदस्य सी० डब्ल्यू० सी०/अध्यक्ष, जी० एफ० सी० सी०—र० 7300-100-7600।
7. अध्यक्ष, सी० डब्ल्यू० सी०—र० 8000 (नियत)

- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

सहायक निदेशक (सिविल और यांत्रिक)

सिंचाई, नौसंचालन, विद्युत घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषक तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको आवंटित उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा भण्डारों का लेखा-जोखा रखना होगा तथा परोक्ष रूप में उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप बहियों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

7. केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

- (1) संगठन का विवरण

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3) (1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के सम्बन्ध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों के समन्वय करने के लिए एक सुदृढ़, पर्याप्त और एकरूप विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विद्युत आपूर्ति का उपयोग) की सभाव्यता तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक

सहायता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएँ राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था के अनुरूपी होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था के विकास और विद्युत की इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

६० 2200-4000 के वेतनमान में सहायक निदेशक, सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में पचास प्रतिशत पद संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहां आवश्यक हो वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसा परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवामुक्त कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आवेदन पारित कर सकते हैं जैसा वह उचित समझे।

परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करना होगी जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि को सतोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाएं।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्त अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा नियमावली, 1990 में निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद ऊंचे ग्रेडों अर्थात् उप-निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड), निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड), मुख्य इंजीनियर के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशर्ते कि सम्बद्ध ग्रेड में रिक्तियां उपलब्ध हों।

(4) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित हैं:—
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर संचार से सम्बद्ध पद:—

क्रम सं०	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	६० 2200-75-2800- द० १००-100-4000
2.	उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	६० 3000-100-3500 -125-4000
3.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	६० 3700-125-4700 -150-5000
4.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)	६० 4500-150-5700
5.	मुख्य इंजीनियर/सदस्य-सचिव	६० 5900-200-6700

नोट:— सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रेड से उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोजनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिए चतुर्थ वेतन प्रायोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई समनुक्रमणिक सारणियां लागू हैं।

(5) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार हैं:—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से संबद्ध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर संबंध। उन्हें इनसे संबद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना, संचालन, अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं, परियोजनाओं की अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनकी संरचना तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों

का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षत्र एकका में कार्य करते हुए वे उप-मंडल या उनको आवंटित अन्य दायों के लिए उत्तरवायी होंगे।

8. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (ग्रुप क पद) पदों पर स्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रचना परीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विधी पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। उन्हें क्रमशः ₹० 2200-75-2500-₹० १०-100-4000 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। सतोषजनक रूप से उनकी परीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर भित्ताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) या यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :—

(क) बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिए	₹० 2200-75-2500-₹० १०-100-4000
(1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ)	₹० 3000-100-3500-125-4500
(2) निदेशक (बरमा)	₹० 3700-125-4700-150-5000
(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	₹० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	₹० 7300-100-7600
(ख) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क	₹० 2200-75-2500-₹० १०-100-4000

(1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)	₹० 3000-100-3500-125-4500
(2) निदेशक (यांत्रिक इंजीनियरी)	₹० 3700-125-4700-150-5000
(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	₹० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	₹० 7300-100-7600

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

नोट :— उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीवत हैसियत से किसी अधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं, एफ० आर० 22-ख (1) के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जायेगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और

दायित्वों का स्वरूप

यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ)

बरमा वाहनों और अन्य उपकरणों अनुसरण तथा मरम्मत, विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए ड्राइवरों तथा वाहन का आवंटन पी० एस० एल० अंकों तथा अभिलेखों, लागू शुल्क इति वस्तुओं की संवीक्षा तथा अनुरक्षण।

बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ)

कोर रिकवरी का इष्टतम प्रतिशत सुनिश्चित करते हुए एक या अधिक ड्रिलिंग रिगों से खनिज अन्वेषण के सम्बन्ध में छेदन कार्य करना। सरकारी भण्डारों और उसको सौंपे गए हम्प्रेस्ट को ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिए लगाई गई मशीनरी और वाहनों का समारक्षण। भंडारों तथा रोकड़ लेखों को रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग को देखना।

9. इंजीनियर (ग्रुप-क) वायरलेस, योजना और सम्बन्ध स्क्वड/

अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय (दूर संचार विभाग)

(क) वेतनमान ₹० 2200-75-2800- ₹० १०-100-4000 ।

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियर के पदधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस योजना और सम्बन्ध । स्क्वडों इंजीनियर प्रभायी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान ₹० 3000-100-3500-125-4500 तथा सहायक वायरलेस सलाहकार को पद के लिए ₹० 200/- प्रति मास विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तिपूर्ण के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र ह । सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभायी के ग्रेड में उनकी पदोन्नति ग्रुप के पदों के लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जायेगी ।

सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलेस सलाहकार/उप निदेशक (वेतनमान र० 3700-125-4700-150-5000) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप वायरलेस सलाहकार उपनिदेशक के ग्रेड में रिक्तियां पुनः के पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर ध्यान करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु तथा पूर्वोक्त अपेक्षाओं न्यूनतम पात्रता की हैं और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

- (ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।
- (घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

- (1) डब्ल्यू० पी० सी० स्कन्ध/वायरलेस मानीटरन संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा प्रशिक्षण।
- (2) सम्पूर्ण रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा विभिन्न प्रकार के उत्सर्जन को आवृत्त करने वाली रेडियो आवृत्ति मानीटरन में प्रयुक्त इलेक्ट्रानिक उपकरण के विभिन्न वर्गों एंटीना तथा सहायक उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशशोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।
- (3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं के लिए विभिन्न प्रयोजन विभागों/संगठनों के वायरलेस प्रतिष्ठानों का अनुशासन एवं निरीक्षण।
- (4) रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा तूल्यात्मकी उपग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय से सम्बद्ध सभी पहलू जिसमें नियतन योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मापकों की स्थापना उपकरण का प्रसार—अनुमोदन वेंचुर

बुद्धकीय व्ययभान/संगति आदि का अध्ययन सम्मिलित हो।

- (5) सयत राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रति—पादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रवर्तन।
- (6) प्रयोगता/रेडियो अभ्यसायी प्रमाणपत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना।
- (7) रेडियो आर्त प्रबन्ध तथा मानीटरन से सम्बद्ध अनुसन्धान तथा विकास कार्य करना।
- (8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ दूर संचार से सम्बन्धित अन्य यथोचित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबन्ध करना।

10. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सङ्क) (पुनः 'क')

(क) चूने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परीक्षा अवधि या उसकी बढाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परीक्षा की बढाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकता है अथवा ऐसे आदेश पाम कर सकता है जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों को स्थायीकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय है :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—

र० 2200-75-2800-र० रो०-100-4000/-

कार्यकारी इंजीनियर—

र० 3000-100-3500-125-4500/-

अधीक्षक इंजीनियर

र० 3700-125-4700-150-5000/-

अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)—

र० 4500-150-5700/-

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पुल) यांत्रिक—

र० 5900-200-6700/-

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पुल)—

र० 7300-100-7600/-

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क विकास)

र० 7300-200-7500-250-8000/-

टिप्पणी:—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो (केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं एफ० आर० 22-ख 1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पुल ग्रुप क के पद से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पुल कार्यों की अभिकल्पना और आकलन तैयार करने की योजना में और राज्यों से ऐसे कार्यों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करने में जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कन्ध के मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करने और/या केन्द्रीय मशीनरी के प्रापण तथा अनुरक्षण में।

11. भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा [सूचना और प्रसारण मन्त्रालय]

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में सीधे शर्तों द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा।

(1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार बढ़ा या बढ़ा सकता है।

(2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रेषित कर दिया जाएगा।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर अधिकारी को स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा।

(4) यदि परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है।

(5) परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समापन की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथापेक्षित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के विभिन्न ग्रेडों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियां—चाहे वे “आकाशवाणी” में हों या “दूरदर्शन” में हों—नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

(ग) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्य शर्तें :—

(1) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारियों को भारत के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है।

(2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसे अधिकारी को :—

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख में 5 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(घ) उक्त सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके संबंध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है।

ग्राह्य वेतनमान कि प्रसार है —

- (1) कनिष्ठ वेतनमान रु० 2200-75-2800-
द० री-100-4000
- (2) वरिष्ठ वेतनमान रु० 3000-100-3500-
125-4500
- (3) जे० ए० जी० रु० 3700-125-4700-
150-5000
- (4) जे० ए० जी० (चयन ग्रेड) रु० 4500-150-5700
- (5) एस० ए० जी० रु० 5900-200-6700
- (6) इंजीनियर-इन-चीफ रु० 7300-100-7600
- भारतीय प्रसारण (इंजीनियर)
सेवा ग्रुप 'क' के कनिष्ठ वेतन-
मान के पद के सम्बद्ध कार्य तथा
उत्तरदायित्व के प्रकार :
- वाडकास्ट, टी० वी० स्टूडियो
और ट्रांसमीटरों का अभिकल्पन,
संस्थापन प्रचालन और अनुरक्षण
सहायक इंजीनियरों के कार्य
पर्यवेक्षण का उत्तरदायित्व ।

12. सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल तथा विद्युत)
सिविल-निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी, सूचना और
प्रसारण मंत्रालय

- (क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा
के आधार पर होगी ।
- (ख) (1) पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी को
भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी
भी समय उसका लोक निगम के अधीन
स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे
स्थानान्तरण पर, बहु निगम के कर्मचारियों के
लिए निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से
शासित होगा ।
- (2) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक इंजीनियर
के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत
की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई
गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम
4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या
भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना
होगा; किन्तु उस व्यक्ति को—
- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की
समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं
करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने
के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना
होगा ।

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परि-
स्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर
सकती है, जो :—

- (1) परीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके
समाप्त होने पर, (2) अधीनता असंयम,
कदाचार या उस समय सेवा से सम्बद्ध प्रवृत्त
नियमावली के उपबन्धों में किसी को भंग करने
या अनुपालन करने के लिए, (3) यदि वह
डाक्टरी रूप से अयोग्य पाया जाता है और
अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के
कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना
रहता है ।

अस्थायी नियुक्तियों के मामले में किसी पक्ष की ओर से
कोई कारण बताए बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी
भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है ।

(घ) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत)
रु० 2000-60-2300 द० री०-75-3200-
100-3500 ।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :

- (1) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की नियमित
सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल
तथा विद्युत) रु० 3000-100-3500-
125-4500 के वेतनमान में कार्यकारी
इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।
- (2) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले
कार्यकारी इंजीनियर रु० 3700-125-4700-
150-5000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजी-
नियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।
- (3) उम्मीदवारों के कार्यकाल के दौरान उनकी
विभागीय पदों पर पदोन्नति तत्कालीन भर्ती
नियमों के अनुसार की जायेगी ।

नोट :—सेवा की शर्तों जैसे स्थानान्तरण/दोरी पर प्रवकाश,
यात्रा भत्ते, कार्यारंभ समय/कार्यारंभ समय वेतन,
चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा खर्चा, पेंशन और
आनुत्पिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण
आदि, वही होंगी जो समान हैमिपन के अन्य
केंद्रीय कर्मचारियों के लिए लागू हों ।

(च) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत)
के पद से संबंध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—
अभिकल्पन और आरेखन में कार्य के लिए
विशेषज्ञ विद्वानों पर ध्यान और सर के अनुसार
कार्यों का निष्पादन करना ।

13. भारतीय नौसेना आयुध सेवा

- (क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवामुक्त किया जा सकेगा।
- (ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।
- (ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्रावधानों से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन होंगे। वे समय-समय पर संशोधित फोर्ल्ड सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे।
- (घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।
- (ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—युप-क—राजपत्रित
- | | |
|--|---------------------------------------|
| (i) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ग्रेड-II | रु० 2200-75-2800-
रु० 100-100-4000 |
| (ii) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ग्रेड-I | रु० 3000-100-3500-
125-4500 |
| (iii) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) | रु० 3700-125-4700-
150-5000 |
| (iv) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) | रु० 4500-150-5700 |
| (v) निदेशक आयुध आपूर्ति | रु० 5900-200-6700 |
- (च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—

(1) उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं चयन के आधार पर रु० 3000-4500 के वेतनमान में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-I के पद में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो

जो आई० आई० टी०, किरकी में तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई हो।

(2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) उप-आयुध पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन किए जाने के आधार पर रुपये 3700-5000 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा की हो। उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 4500-5700 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(4) आयुध पूर्ति निदेशक

संबद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में तीन वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 5900-6700 के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं।

अबले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथापूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की है और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परीवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से अस्थायी पद धारण किए हुए थे, एफ० आर० 22 ख (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी० एस० के० और तदनुसूची अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 के पद से संबद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप :

- (1) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिकी तथा विद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आशोधन तथा अनुरक्षण से संबंध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निदेशन।
- (2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए, इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।
- (3) आयात प्रतिस्थापना से संबंध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियां तैयार करना।
- (4) आयुध के लिए यांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।

- (5) आयुध (मिसाइल्स टारपीडोज माइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत मदों के उप-समुच्चय तथा समुच्चयों का आवधिक प्रशासन परीक्षण/जांच ।
- (6) फ्लीट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आयुध भंडारण संबंधी सन्तुल्य सहायता प्रदान करना ।
- (7) आयुधों के बारे में यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत इंजीनियरी से संबद्ध सभी मामलों में संबद्ध सेवा की तकनीकी सलाह देना ।

(14) डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध में सहायक कार्यकारी इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियां परिवीक्षा आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी । उन्हें यथानिर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा । यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है । परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है ।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परिवीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाएं । उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा ।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है ।

परन्तु उस व्यक्ति को—

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।
- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त ।
- (ग) प्राप्य वेतन दर निम्न प्रकार है : ग्रुप "ख" सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 ।

ग्रुप "क" :

- (1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु० 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 ।
- (2) कार्यपालक इंजीनियर का निर्माण सर्वेक्षक (सिविल/वैद्युत) रु० 3000-100-3500-125-4500 ।

- (3) अधीक्षक इंजीनियर/अधीक्षण निर्माण सर्वेक्षक (सिविल/वैद्युत) रु० 3700-125-4700-150-5000 ।
- (4) मुख्य इंजीनियर (सिविल) रु० 5100-150-5700 ।
- (5) मुख्य इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु० 5900-200-6700 ।

(घ) डाक-तार सिविल स्कन्ध में उक्त पदों से जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध हैं वे नीचे दिए गए हैं :—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक तार सिविल स्कन्ध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक तार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकघर भवन, कारखाने, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और अनु-रक्षण पर लगाया जाता है । उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते हुए विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा सकते हैं ।

15. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद :—

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे ।

(ख) इस ग्रुप "क" राजपत्रित पद का वेतनमान रु० 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 है ।

(ग) तकनीकी विकास महानिदेशालय में ऐसे सहायक विकास अधिकारी 3000-100-3500-125-4500 रु० के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा कर ली है । विकास अधिकारी के संवर्ग में 90 प्रतिशत पद पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं । विकास अधिकारी रु० 4100-125-4850-150-5300 के वेतनमान में अपर औद्योगिक सलाहकार के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं । अपर औद्योगिक सलाहकार रु० 4500-150-5700 के वेतनमान में औद्योगिक सलाहकार के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं । औद्योगिक सलाहकार रु० 5900-200-7300 के वेतनमान में उपमहानिदेशक के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं । उपमहानिदेशक सचिव (तकनीकी विकास) और महानिदेशक (तकनीकी विकास) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं ।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पर किसी भी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा ।

किन्तु उस व्यक्तिको—

- (1) ऐसी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (2) चालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (3) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उससे सम्बद्ध प्रमाणों अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी, मशीन ओजार, वैद्युत इंजीनियरी, आटोमोबाइल, इलक्ट्रॉनिक इंजीनियरी आदि उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

16. ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय में कर्मशाला अधिकारी का पद :—

- (क) ई० एम० ई० कोर में कर्मशाला अधिकारी के पद पर भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।
 - (ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम करना होगा।
 - (ग) सहाय्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—
- | | |
|----------------------------------|--|
| (1) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'ख' | रु० 2000-60-2300-२० रो०-75-3200-100-3500 |
| (2) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' | रु० 2200-75-2800-२० रो०-100-4000 |
| (3) वरिष्ठ कर्मशाला अधिकारी | रु० 3000-100-3500-125-4500 |
| (4) कर्मशाला अधीक्षक | रु० 3700-125-4700-150-5000 |
| (5) कर्मशाला अधीक्षक (चयन ग्रेड) | रु० 4100-125-4850-150-5300 |

(क) कतव्य :—'ए', 'बी' और 'सी' ग्राह्यो, तोप, वायरलेस तथा रेडार उपकरणों का परम्परागत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। ई० एम० ई० आर्मी बेस वर्कशाप/स्टेशन वर्कशाप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/या स्टाफ/ई० एम० ई० (एक्स्ट्रा रेजिमेंट इम्प्लाय-मेंट) रोजगार नियुक्तियों में कप्तान (ई० एम० ई०) के स्थान पर कार्य करना या ई० एम० ई० प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशासकीय कतव्यों के साथ-साथ अनु-देशक के रूप में कार्य करना होगा।

(ख) प्रारम्भ में उक्त पद गैर-पेशानी है लेकिन स्थायी होने पर पद पेशानी हो जाएगा। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेशान के सारे लाभ मिलते रहेंगे।

(ब) उक्त पद के लिए चुने हुए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के दायित्व से प्रतिबद्ध हैं, उनका स्वस्थता-स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

(छ) अधिकारियों को आग के अध्ययन जैसे एम० टेकन, विभिन्न विषयों के विशेष अध्ययन जैसे रेडार, दूर-संचार, टैंकों तथा बंदूकों आदि तथा विदेशों में विभिन्न कोशों का अध्ययन करने का अवसर मिला है।

17. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन व्यक्ति की परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षणों की उत्तीर्ण करना होगा। परीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उक्त कार्य और आचरण असन्तोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसकी परीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे।

(2) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शांति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान देय हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु० 2200-75-2800-२० रो०-100-4000

कार्यकारी इंजीनियर—रु० 3000-100-3500-125-4500

अधीक्षक इंजीनियर—रु० 3700-125-4700-150-5000

मुख्य इंजीनियर—रु० 5900-200-6700

(4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियर के अधिकारियों के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर सकते हैं। अपने ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

यांत्रिक इंजीनियरी में इस समय मुख्य इंजीनियर का कोई पद नहीं है।

- (5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथाग्राह्य अन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नागरिक प्रति-पूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे बर्दी के वाले परिमर्जा भत्तों के भी हकदार हैं।
- (6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में शत्रु सेना अधिनियम 1950 लागू होगा।
- (7) सशस्त्र सेना अधिनियम के भाग 12 के उपबन्धों के सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" पर लागू हो जाने के कारण महिलाएं इस सेवा में नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होंगी।

18. डाक-तार, दूर-संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबन्धक, कारखाना

ग्रुप 'क' के पद

(1) वेतनमान रु० 2200-4000 में सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

(2) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यावहारिक प्रशिक्षण, जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा; व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी परीक्षण उत्तीर्ण करना होगा।

(3) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर वितायी गयी अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(4) उच्चतर क्षेत्रों में पदोन्नति के अवसर :—

- (क) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबन्धक रु० 3000-4500 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर (वरिष्ठ समय वेतनमान) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (ख) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की सेवा कर चुकने वाले वरिष्ठ इंजीनियर रु० 3700-5000 के वेतनमान में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ग) अपने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक दूर संचार कारखाना में 4500-5700/- रु० के वेतनमान में उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक (चयन ग्रेड) के अकार्यात्मक (नान फंक्शनल) चयन ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (इसमें अकार्यात्मक चयन के ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) में 3 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक अथवा ग्रुप "क" पद में, जिसमें कम से कम 4 वर्ष की सेवा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में होनी चाहिए, 17 वर्ष की नियमित सेवा वाले (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) 5900-6700 रु० (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के वेतनमान में महाप्रबन्धक, दूर संचार कारखाना के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(5) उक्त पदों से सम्बद्ध कार्य और उत्तरदायित्वों का स्वरूप

सहायक प्रबन्धक :—दो अथवा उससे अधिक उत्पादों, अनुत्पादों एककों का समय पर्यवेक्षण/दूर संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संवर्गों के लिए नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना।

वरिष्ठ इंजीनियर :—उत्पादन, आयोग, विकास, अनुरक्षण, ओजार आदि से सम्बद्ध शाखा के प्रवचन प्रधान और दूर-संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संवर्गों में नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना।

उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक :—सामान्य प्रशासन, उत्पादन, अनुशासन आयोग आदि से सम्बद्ध दैनिक कार्यों में महाप्रबन्धक का सहायक करता, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कंध कार्य-प्रभारी।

महाप्रबन्धक :—दूरसंचार कारखाना के प्रधान कारखान के सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग अनुशासन आदि के समय नियन्त्रण हेतु उत्तरदायी।

19. भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप "क" सेवा

नियुक्तियां दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा आधार पर होंगी।

किन्तु शर्त यह है कि इस सम्बन्ध में नियन्त्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि की सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बढ़ा सकता है।

अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समाप्त के बाद सामान्यतः आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अंदर लिखित रूप में सूचित कर दिया जाएगा।

परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसीवृद्धि के समापन पर, जैसी भी स्थिति हो, यदि सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो इसके कारण लिखित रूप में रिक्तार्थ किए जाएं और सरकार उस अधिकारी को कार्य-मुक्त कर सकती है या उस पद पर वापस भेज सकती है, जिसे वह उक्त सेवा में, जैसी भी स्थिति हो, नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था। परिवीक्षा या बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण कोर्स पास करना होगा और अनु-देशों का पालन करना होगा तथा परीक्षाएं और परीक्षण पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित किए जायेंगे।

2. नियुक्त किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

3. नियुक्त किये गये अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है।

4. यदि आवश्यकता हुई तो प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी, रक्षा

सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पदों पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा ;
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

5. ग्राह्य वेतन मान निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान 2200-75-2800-द० रो०—
100-40005०।

वरिष्ठ वेतनमान 3000-100-3500-125-4500
रुपये

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 3700-125-4700-150-5000
रुपये।

चयन ग्रेड 4500-150-5700 रुपये
(कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड)

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 5900-200-6700 रुपए।

भारत का महासर्वेक्षक 7300-100-7600 रुपए

6. भारतीय सर्वेक्षण में उप अधीक्षक सर्वेक्षण के पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप :—

अधिकारी को सीमा क्षेत्रों के नक्शों का सर्वे करने का कार्य पूरा करना होगा और उन्हें प्रति वर्ष अद्यतन बनाना होगा जिससे कि विभिन्न प्रयोक्ता एजेंसियों को ये नक्शे नवीनतम उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रदान किए जा सकें।

LOK SABHA SECRETARIAT (PAC BRANCH)

New Delhi-110001, the 14th January 1991

No. 4/1/90/PAC—Shri A. N. Singh Deo, M.P. and Shri M.S. Gurupadaswamy, M.P. have been elected to serve as Members of the Committee on Public Accounts for the term ending on 30th April, 1991 vice Shri Shantilal Purushottamdas Patel and Shri Kamal Morarka M.Ps. respectively ceased to be the Members of the Committee on their appointment as Ministers.

B. S. JOHAR, Under Secy.

(P. U. BRANCH)

New Delhi-110001, the 11th January 1991

No. 4/1-PU/90—Prof. (Dr.) S. P. Yadav and Shri Yuvraj, members of Lok Sabha, have been elected as members of the Committee on Public Undertakings with effect from 10 January, 1991, for the unexpired portion of the term of the Committee vice Sarvashri Daulat Ram Saran and Hukumdeo Narayan Yadav ceased to be members of the Committee on their appointment as Ministers.

K. K. SHARMA,
Director

(PLANNING COMMISSION)

New Delhi, the 10th January 1991

In partial modification of the Commission Resolution No. VIII-2/90-IJSC dated the 22nd March, 1990 the name of the Chairman of the "India-Japan Study Committee" may be read as 'Dr. Manmohan Singh' instead of 'Dr. A. K. Ghosh'. The other members of the Committee will remain the same.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Ministries of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, the Secretary to the President, the Military Secretary to the President and Indian Ambassador in Japan.

ORDERED also that a copy be published in the Gazette of India.

I. S. AHLUWALIA,
Director (Admn.)

MINISTRY OF WELFARE
(DEPARTMENT OF WELFARE)

New Delhi, the 10th January 1991

RESOLUTION

No. E-11015/1/90-Hindi—In partial modification of this Ministry's Resolution No. E-11015/4/89 Hindi dated 10-7-1990, regarding the Constitution of the Hindi Advisory Committee of the Department of Welfare, under the "Sub Head Composition", the existing names are hereby substituted with the following names :—

COMPOSITION

Sl. No. 1 Shri Ramji Lal Suman, Minister of State for Labour and Welfare.

Sl. No. 4 Smt. Kailash Pati, M.P. (Rajya Sabha).

R. S. PANDEY, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 16th February 1991

RULES

No. 90-E(GR-I/18/1.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1991 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers,
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service;
- (iv) Military Engineer Service (Building and Roads); Cadre);
- (v) Military Engineer Service (Service of Works Cadre);
- (vi) Survey of India Service Group-A (Civil Engineering posts);
- (vii) Central Water Engineering Service (Civil Engineering posts).

(viii) Assistant Executive Engineer (Civil), (P&T) Civil Engineering Wing).

(ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

(x) Central Engineering Service (Roads) Group-A.

(xi) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.

Group-B Services/Posts

(xii) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing. All India Radio.

CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering posts);
- (vii) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (ix) Posts of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts);

- (x) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads (Engineering Service, Group A);
- (xi) Drilling Engineer (Jr.) in G.S.I.
- (xii) Mechanical Engineer (Junior) Group A in GSI.
- (xiii) Assistant Manager (Factories) Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).
- (xiv) Workshop Officer Group 'A' (Mechanical Engg. Posts) in the Corps of E.M.E. Ministry of Defence.

Group B Services/Posts

- (xv) Workshop Officer (Mechanical Engineering Posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence;

CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electric Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts).
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P and T) (Civil Engineering Wing);
- (viii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);
- (ix) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadre) (Electrical Engineering Posts);
- (x) Workshop Officer Group 'A' (Electrical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence

Group B Services/Posts

- (xi) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.
- (xii) Workshop Officer Group 'B' (Electrical Engg. Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/ Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;

- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communication (Department of Telecommunications);

- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service;

- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch (Electronics Engineering Posts);

- (vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts).

- (viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);

- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering Post);

- (x) Workshop Officer, Group 'A' (Electronic Engineering posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

- (xi) Survey of India Service Group 'A' (Electronics and Telecom. Engg. posts).

Group B Services/Posts

- (xii) Workshop Officer, Group 'B' (Electronics Engg. posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

N.B. (i)—Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules. in the order of preferences in their application form. In case a candidate does not give any preference for any Services/Posts or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that event he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preferences. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/posts.

N.B. (ii)—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ., CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

OF PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (iii)--Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iv)--DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE-RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N.B. (v) --Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preference for other Services and Posts, if any, will be ignored.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specific in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either --

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1969 with the institution of permanently settling in India, or

- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1991 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1963 and not later than the 1st August, 1971.

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iii) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in Column 2, for which they are otherwise eligible.

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1991.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.S.
[Central Public Works Department	C.E.S.—Group A C.E. & M.E.S. Group A.
Engineer-in-Chief, Army Headquarters	M.E.S. Group A (B, & R Cadre and Surveyor of works Cadres) M.E.S. Group A (E & M, Cadre).
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S Group A.

Column 1	Column 2	(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :
Central Water Commission	C.W.E. Service (Group A).	(i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
Central Electricity Authority	C.P.E.(Group A) Service.	(ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation	Engineer (Group A).	(iii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.	(iv) Up to a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
All India Radio/Doordarshan	Junior scale Indian Broadcasting (Engineers) Service. Assistant Engineer Group B (Civil /Electrical) Civil/ Construction Wing A, I. R	(v) Up to a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
Indian Navy	Indian Naval Armament Services.	(vi) Up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1991 and have been released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1991 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to military Service or (iii) on invalidment.
P. & T. Department	Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil/ Electrical) Group A, P&T Civil Wing, Assistant Manager (Factories) Group-A, P. & T. Telecom Factories Organisation.	(vii) Up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1991 and have been released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1991 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
Deptt. of Science & Technology	Survey of India Service, Group-A.	(viii) Up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1991 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
Directorate General of Technical Development	Assistant Development Officer (Engineering Group) 'A'	(ix) Up to a maximum of ten years in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years
Geological Survey of India	Mechanical Engineers (Junior) Group A, Drilling Engineer (Junior), Group 'A'.	

Note.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

of Military Service as on 1st August, 1991 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

Note (i) The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

(ii) Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 5(c)(vi) & 5(c)(vii) of the Rules.

N.B.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his applications.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to complete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must have—

- (a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislative in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or

(d) passed in the Graduation Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or

(e) passed Associate Membership Examination Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or

(f) Passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or

(g) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio-Engineers London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

- (1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination :

(i) Principles of Radio and Electronics 1 (Section 'A').

(ii) Mathematics II (Section 'B').

- (2) that the candidates concerned should produce certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications and Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service (Electronics Engg. Posts) may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely:—

M Sc degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the

admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 16th December, 1991.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work-charge employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/ appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or

- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examinations; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13.(1) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(2) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS. THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railway, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no requests for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulation relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

18. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment of service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personnel law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to pass after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Services/posts in which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

MASIHUZZAMAN,
Secretary,
Railway Board

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

Part II.—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Category I—CIVIL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Civil Engineering Paper I	11	2 hours	200
Civil Engineering Paper II	12	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Civil Engineering Paper I	13	3 hours	200
Civil Engineering Paper II	14	3 hours	200
Total			1000

Category II—MECHANICAL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Mechanical Engineering Paper I	21	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	22	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Mechanical Engineering Paper I	23	3 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	24	3 hours	200
Total			1000

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Electrical Engineering Paper I	41	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II	42	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Electrical Engineering Paper I	43	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II	44	3 hours	200
Total			1000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper I	61	2 hours	100
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper II	62	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper I	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper II	64	3 hours	100
Total			00

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The ommission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written papers will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculator for conventional (easy) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numbers (e.g. 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST (Code No. 01)

Part A : General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

Part B : General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics.
Stresses, Strain, Failure Theories of solid Materials. Simple bending and torsion theories, shear centre.
3. Graphic Statics.
Force Polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis.
Analysis of trusses and frames.
Introduction to plastic Analysis.
5. Design of Metal Structures
Working stress and ultimate strength design of simple structures.

4. Design of concrete and Masonry Structures.
Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics Water Resources Engineering.
Open channel and pipe flow. Hydrology Design of canals and hydraulic structures.
2. Soil Mechanic and Foundation Engineering and their general principles Strength parameters. Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.
3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Eurveying. Roads superlevation, Ruling gradient, pavements, Traffic controls. Design considerations.
4. Environmental Engineering
Water purification, Sewage treatment and disposal.
5. Construction, Planning and Management.
Elements of construction practice. Bar charts. CPM. PERT.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics
Law, Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles. Fuels and combustion.
2. I. C. Engines
C.I. and S.I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo Jet and Turbo-prop Engines, Rocket Engines Elementary knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.
3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines
Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.
4. Compressors Gas, Dynamics and Gas Turbines, Reciprocating, Centrifugal and axial flow compressors. Velocity diagrams, Efficiency and performance. Effect of Mech. number on flow, isentropic flow.

Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression, Reacting and Regeneration.

5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning
Conduction, Convection and Radiation. Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient. Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance. Psychrometrics and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

- 6 Properties and classification of fluids.

Fluid statics, kinematics and dynamics: principles and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relates performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.

Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) moving bodies (ii) in machines. Klein's construction Inertia forces in machines. Cams: Gears and Gearing. Fly wheels and Governors. Balancing of Rotating and. Resiprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

8. Machine Design

Design of : Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Kotters. Coupling—Welded Joints—Transmission system : Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gear—siding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials.

stress and strain in two dimensions; Mohr's relations between Elastic Constants.

Deams : Bending moments, sheering forces and reflection.

Shafts : Combined bending direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure. Spring, Struts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; Composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering

Metal Machining : Cutting Tools; Tool Materials, wear and Machinability measurement of cutting forces.

Process : Machining—Grinding, Boring, Gear, Manufacturing, Metal forming, Metal casting and jointing, Basic, Special Purpose, Programme and numerically-Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering

Work study and work measurement Wage incentive. Design of Production System and Product Cost, Principles of Plant layout. Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming Queuing Theory. Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT. Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

1. Electrical Circuits

Network theorems Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs. Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

2. EM Theory

Electrostatics Magnetostatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, Maxwell's equations. Planewave propagation in conducting & Dielectric media; properties of Transmission lines.

3. Material Science : (Electric Materials)

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields, Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity. Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism Conduction in Semiconductors, Hall effect.

4. Electrical Measurements

Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser. Transducers and measurement of non-electrical quantities, digital measurement, telemetering data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

5. Elements of Computation

Digital system algorithms, flow-charting. Storage; Type statements, array storage Arithmetic expression, logical expressions, Assignments statements. Programme structure Scientific and Engineering applications.

6. Power Apparatus & Systems

Electromechanics : Principals of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers Magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System : Power generation : Thermal Hydro and Nuclear Power Transmission, Corona Bundle conductors. Power Systems Protection. Economic operation. Load frequency control, stability analysis.

7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State variable approach.

8. Electronics & Communications

Electronics : Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits. Combinational and sequential digital circuit. Communications : Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components—types and properties. Active components—types and properties.

Solid State Devices—Physics, Characteristics and models.

2. Network Theory

Network Theories. Steady State and transient response of electric circuits. Network analysis Elementary network synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working. Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

1. Linear and Non-linear Analog Circuits

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits. Wave form Generators, Stabilizers

2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates. Computing Circuits Combinational and sequential circuits.

3. Control Systems

Feedback theory, Control system components, Response of Control Systems, Design of practical system.

4. Communication Systems

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems Radio and Line communications. Television and Radar Navigational aids Satellite communication principles.

5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies Microwave Communication Systems.

APPENDIX II

**REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL
EXAMINATION OF CANDIDATES**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to

the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of its appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For the Indian Ordnance Factories Service Group A and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B' a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eyesight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for Service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the conditions of the eye.

The set standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Services	Distant vision		Near vision	
	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
1	2	3	4	5
A. Technical				
1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)				
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical, and Mechanical Engineering Service Group A, Central Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineer Civil & Electrical (Group 'A' (P & T) Civil Engineer Wing Post of Engineer, Group A, in W. P. & C. Wing 1 Monitoring Organisation Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service Group A, Border Road Engineering Service Group 'A' Assistant Engineer, Group 'B' Civil Construction Wing in AIR, Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.	6/6	6/12	7/1	7/11
3. Military Engineer Services, Group 'A', Assistant Manager (Factories) Group 'A', P & T Telecommunication Factories Organisation and Workshop Officer Group 'A' and Group 'B'	6/9	6/9		

1	2	3	4	5
B. Non-Technical				
4. Indian Railway Stores Service and Mechanical Engineer				
(Junior) Group 'A'		6/2	6/12	II
Drilling Engineer (Jr.) Group A in G.S.I.				III

NOTE (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate . . .	16'	16"
2. Size of aperture . . .	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures . . .	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service.
- (v) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T) Telecom, Factories Organisation.
- (vi) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (vii) Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

Technical Services or posts requiring lower grade colour Perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical), Group A (P&T), Civil Engineering Wing.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Assistant Engineer (Civil/Electrical) Group 'B' Civil Construction Wing in A.I.R.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green's lanterns shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) Field of vision.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) Night Blindness.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

NOTE (6) *Ocular conditions, other than visual acuity—*

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint.*—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has :

(i) 6/6 distant vision and J 1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have illumination of 15 foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons

7. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal, maximum, systolic pressure is as follows:—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus age

(ii) With subject over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stand when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pres-

sure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and re-appear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed:—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than

Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard:—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other being normal.		Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decible.n higher frequency.
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.		Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decible in speech frequencies of 1000 to 4000.
(3) Perforation of tympanic membranc of Central or marginal type.		(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membranc present — Temporarily unfit under Improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
		(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
		(iii) Central Perforation both ears—Temporarily unfit
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.		(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.

1	2	3
	(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms—Temporarily Unfit.	
(7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.	
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign Tumours—Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours—Unfit.	
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.	
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If non-interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.	
(11) Nasal Poly. . . .	Temporarily Unfit.	

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;

(d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination;

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith appeal the candidates must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which

the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fees within the stipulated time.

13. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall lie against the same.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidates statement and declaration

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration appended thereto. His examine is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (black letters)

.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place.....

.....

2.(a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis:

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

.....
.....
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....
.....
.....

5. Furnish the following Particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death.
(1)	(2)	(3)	(4)

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death.
(5)	(6)	(7)	(8)

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....

.....

7. If answer to the above is Yes, please state what Service(s) / post(s) you were examined for?

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?

.....

.....

.....

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

.....

.....

I declared all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

Note—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical examination.

1. General development Good
Fair Poor Nutrition: Thin
average Obese Height (without
shoes) weight Best Weight.....

When ? Any recent change in weight
temperature

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night Blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of Vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses		
			SPh.	Cyl	Axis
Distant vision			R.E.		
			L.E.		
Near vision			R.E.		
			L.E.		
Hypermetropia (Manifest)			R.E.		
			L.E.		

4. Ears: Inspection Hearing Right
Ear Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.

.....
.....

If yes, explain fully

.....
.....

8. Circulatory system:

(a) Heart: Any organic lesions

Rate Standing

After hopping 25 times

Two minutes after hopping

(b) Blood Pressure: Systolic

Diastolic

9. Abdomen: Girth Tenderness
Hernia

(a) Palpable Liver Spleen

.....
.....
.....

Kidneys

.....

Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc., Urine analysis :

(a) Physical Appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

NOTE :—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

Is the candidate fit for Field Service?

NOTE : The Board should record their findings under one of the following categories :—

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

President.....

Member.....

Place.....

Date.....

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION.

1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE.

(a) *Probation*.—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) *Training*.—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) *Termination of appointment*.—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(ii) If in the opinion of the Government the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(iii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.

(d) *Confirmation* :—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) *Scales of pay* :

(i) *Junior Scale*—2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) *Senior Scale*—Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) *Junior Administrative Grade*—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) *Senior Administrative Grade*—Rs. 5900-200-6700.

In addition there are supertime scale posts carrying pay between Rs. 5900/- and Rs. 8000/- to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) *Refund of the cost of training* :—If for any reasons which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond, a copy of which will be enclosed alongwith their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) *Leave* :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) *Medical Attendance* :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) *Passes and Privilege Ticket Orders* :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) *Provident Fund and Pensions* :—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(1) *Liability to serve in Defence Services* :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL AND MECHANICAL ENGINEERING SERVICE, GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to service in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

(i) shall not be required to service as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinary be required to service as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) the following are the rates of pay admissible :—

(i) J.T.S. (A.E.E.) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000

(ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Junior Administrative Grade (S.E.).

(a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700.

(iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 5900-200-6700.

(v) Super time Scale

Additional D.G. Rs. 7300—7600
D.G(W) Rs. 8000 fixed

These Posts are common to all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) Central Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. MILITARY ENGINEER SERVICE GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if, his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Supdts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) I. The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any;

Provided that such a candidate—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

II. The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under SRO, No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay:—

(a) Assistant Executive Engineer Assistant Surveyor of Works	2200-75-2800-EB-100-4000.
(b) Executive Engineer Surveyor of Works	3000-100-3500-125-4500.
(c) Superintending Engineer (Ordinary Grade) Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade)	3700-125-4700-150-5000
(d) Superintending Engineer (Selection Grade) Superintending Surveyor of Works (Selection Grade)	4500-150-5700.
(e) Deputy Chief Engineer	3700-125-4700-150-5000.
(f) Chief Engineer (Level II) Chief Surveyor of Works (Level II)	5100-150-5700.
(g) Chief Engineer (Level I) Chief Surveyor of Works (Level I)	5900-200-6700.

4. INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of

Director General, Ordnance Factories/Chairman. O.F. Board Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the Scales of Pay admissible :—

Jr. Time Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Sr. Time Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Jr. Admin. Grade (O.G.)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Jr. Admin. Grade (S.G.)	Rs. 4500-150-5700.
Sr. Admin. Grade	Rs. 5900-200-6700.
Sr. General Manager	Rs. 7300-100-7600.
Addl. DGOF/Member, OFB	Rs. 7300-200-7500-250-8000.
DGOF/Chairman, OFB	Rs. 8000*

NOTE :—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts.) 1051/D(Civ-1) dated the 25th November, 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Musoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

5. INDIAN TELE-COMMUNICATION SERVICE. GROUP A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the scales of pay admissible :—

(i) Junior Time Scale Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) Senior Time Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) Selection Grade JAG : Rs. 4500-150-5700.

(v) Senior Administrative Grade : Rs. 5900-200-6700.

(vi) C.G.M. Grade : Rs. 7300-100-7600.

(vii) Advisers' Grade : Rs. 7300-200-7500-250-8000.

(viii) The Officers shall be eligible for consideration : Rs. 8000/- for the posts of Members of the Telecom. Commission which is equivalent to Secretary to Govt. of India.

NOTE :—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service, Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineer

Assistant Divisional Engineers will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division. Incharge of Carrier VFT Coaxial Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

Division Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication systems etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District, Telecommunication Circles etc.

Senior Administrative Grade

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. General Managers Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Chief General Manager Telecom Engineering Centre and General Manager, Telecom Engineering Centre responsible for overall research activities of the Telecommunication/Engineering Centre.

6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer can look forward for promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade/

Director/Superintending Engineer (Selection Grade)/Chief Engineer/Member/Chairman, CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering post in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700
6. Member, CWC/Chairman GFCC	Rs. 7300-100-7600
7. Chairman, CWC	Rs. 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc., for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work is progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE*(i) Description of the Organisation*

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical

analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy power providing its main motive force.

(ii) *Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.*

Fifty per cent of posts in the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-4000/- are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any, provided that such person--

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) *Promotion to higher grades*

The officers appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineers are eligible for promotion to higher grade viz., Deputy Director/Executive Engineer/Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1990 as amended from time to time.

(iv) *Scale of pay*

The scale of pay for the posts of Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

Name of the Post	Pay Scale
1. Assistant Director/ Assistant Ex-Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Dy Director/Ex-Engineer	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Director/Supd. Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Director Sup. Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer/Member Secretary.	Rs. 5900-200-6700.

NOTE : For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Fourth Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(v) *Duties and responsibilities*

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power systems, studying project reports, providing assistance

in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

(ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

(iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.

(iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India Mechanical Engineer (Junior)

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment, allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.S.L. issues and records, log books, history sheets etc.

Drilling Engineer (Junior)

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeeping of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance of stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

9. ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS (DEPARTMENT OF TELE-COMMUNICATIONS)

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500 plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

8. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any—

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior) Group 'A'—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-

(i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-

(ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-

(iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-

(iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

B—For Mechanical Engineer (Junior Group A)—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

(i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineering-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser/Deputy Director (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser/Deputy Director are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.

- (i) Supervision guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.
- (ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of commissions.
- (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services.
- (iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type-approval of equipment, studies of electromagnetic interference/compatibility etc.

(v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.

(vi) Conducting of examination for Certificate of Proficiency/Radio Amateurs etc. and issuing of respective licences.

(vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.

(viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, of other International/regional organisations dealing with telecommunications.

10. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS). GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during sub period of probation of extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service of post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :

Assistant Executive Engineer—Rs. 2200—75—2800—EB-100—4000/-.

Executive Engineer—Rs. 3000—100—3500—125—4500/-

Superintending Engineer—Rs. 3700—125—4700—150—5000/-.

Superintending Engineer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

Chief Engineer—

Rs. 5900—200—6700/-.

Additional Director General (Road/Bridges)—Rs. 7300—100—7600/-.

Director General (Roads Development and Additional Secretary)—Rs. 7300—200—7500—250—8000/-.

Note : The pay of Government Servant, Who hold a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Shipping and Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads—Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States and/or in procurement and upkeep of Central machinery.

11. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for Extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) appointment to the Service :—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashvani' or in 'Door-darshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—

(I) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(II) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any, provided that such officers :

(i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Service.

(ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services avaraid oisatro

The following are the names of pay admissible:—

1. Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Junior Administrative Grade.	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
5. Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700
6. Engineer-in-Chief	Rs. 7300-100-7600

Nature of Duties and responsibilities attached to the Post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group 'A') : Designs, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers

12. ASSISTANT ENGINEER (GROUP B) (CIVIL AND ELECTRICAL), CIVIL CONSTRUCTION WING, ALL INDIA RADIO, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Appointment will be made on probation for a period of two years.

(b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.

(ii) Any person appointed to the post of Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill-health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Assistant Engineer (Civil & Electrical)—Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

(e) Prospects of promotion to higher grades :—

(i) Assistant Engineers (Civil & Electrical), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 3000—100—3500—125—4500/-.

(ii) Executive Engineers with minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

The candidates, in the course of their service are promoted to various service ranks in the department as per recruitment rules in existence.

Note.—The remaining conditions of service such as leave, travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concession, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical) : To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

13. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

(a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

(c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade II—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 4500-150-5700.

(v) Director of Armament Supply—Rs. 5900—200—6700.

(f) Prospects of Promotion to higher grades :—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 3000—4500/- on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers course at the I.A.T., Kirkee.

(ii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 3700—5000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade).

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament supply Officer (Selection Grade in the pay scale of Rs. 4500—5700) on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) Director of Armament Supply

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) with 3 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 5900—6700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

Note : The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical electronics and electrical devices and system production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

(iii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical electronics and electrical spare for armaments.

- (v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos, mines and guns) measuring instruments etc.
- (vi) Providing logistic support in respect of armament stores to fleet and Naval Establishments.
- (vii) Recondition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

14. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER IN P&T CIVIL ENGINEERING WING—

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period at the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provident that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :—

Group B Assistant Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Group A :—

- (i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
- (ii) Executive Engineer/Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) Chief Engineer (Civil) Rs. 5100-150-5700.

(v) Chief Engineer (Civil/Electrical) Rs. 5900-200-6700.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Buildings, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

15. POST OF ASSISTANT DEVELOPMENT OFFICER (ENGINEERING) IN THE DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT :—

(a) Persons required to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.

(b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 2200-75-2800-EB-100-3500-4000.

(c) Assistant Development Officers with 5-years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500. 90% of the posts in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Additional Industrial Adviser in the scale of pay of Rs. 4100-125-4850-150-5300. Additional Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Industrial Adviser (Rs. 4500-150-5700). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 5900-200-7300) and Deputy Director Generals in turn are eligible for promotion to the post of Secretary (TD) & DG (TD).

(d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (c) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Development Officer—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz. Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile, Electronics Engineering Industries etc.

16. POST OF WORKSHOP OFFICER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

- (a) Persons recruited to the post of Workshop Officer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.

- (b) Candidates appointed to the post will be liable to serve anywhere in India.

- (c) The following are the scales of pay admissible :—

(i) Workshop Officer Group B—2000—60—23—EB—75—3200—100—3500.

(ii) Workshop Officer Group A—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(iii) Senior Workshop Officer—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

(iv) Workshop Superintendent—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(v) Workshop Superintendent (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

- (d) **Duties**—To function as an incharge of a section undertaking repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles. Guns, Wireless and Radar Equipment and Instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshops/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties.

- (e) The posts are non-pensionable in the initial stage, but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent

pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.

- (f) Candidates selected for the post are bound for field service liability and should possess medical category 1 (one).

- (g) The officers have chances of further studies like M. Tech., specialization in various disciplines viz. Radar, communication, tanks and guns etc. and various courses in foreign countries.

17. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE**Group 'A'**

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

- (iii) The following are the scales of pay admissible to them :—

Assistant Executive Engineer—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

Executive Engineer—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

Superintending Engineer—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

Chief Engineer—Rs. 5900—200—6700.

- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified area besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.

(vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.

(vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

13. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM. FACTORIES ORGANISATION :—

(i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay of Rs. 2200—4000 shall be on a probation for a period of 2 years.

(ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

(iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager, (Factories) shall, if so required to liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iv) Prospects of promotion to higher grades :

(a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 3000—4500.

(b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Junior Admn.

Grade in the scale of pay of Rs. 3700—5000.

(c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection grade of Deputy General Manager/Manager (Selection Grade), Telecom Factory in the scale of Rs. 4500—5700.

(d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of Chief General Manager Telecom Factory in the scale of Rs. 5900—6700 (Senior Administrative Grade).

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the post :

Assistant Manager—Overall supervision of two or more production/non-production units. To act as Appointing/Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Senior Engineer—Head of a branch viz., production, planning, Development, Maintenance, Tools etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Deputy General Manager/Manager (Selection Grade) and Deputy General Manager/Manager—To assist the Chief General Manager in day-to-day work of general administration, production, discipline, planning etc. Incharge of a Factory or production unit/Wing.

Chief General Manager—Head of the Telecom Factory. Responsible for overall control of general administration, production, planning, discipline, etc. in the Factory.

19. SURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1. Appointments will be made on probation for a period of two years :

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard.

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instructions in India or abroad as the Government may decide from time to time

4 Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent

on training, if any; provided that such persons shall not be required :—

- (i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;
- (ii) ordinarily to serve as the aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the scales of pay admissible :—

Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Selection Grade (Junior Administrative Grade)	Rs. 4500-150-5000.
Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700.
Surveyor General of India	Rs. 7300-100-7600.

6. Nature of duties and responsibility attached to the post of Deputy Superintending Surveyor in the Survey of India :—

The officer will be required to meet the task of surveying maps of the border areas and need to be updated every year to provide maps with the latest available information on the ground to various users agencies.

प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, फरीदाबाद द्वारा मद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1991

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1991

